भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या –3038
उत्तर देने की तारीख 20.03.2023

अनुसंधान एवं विकास की गुणवत्ता

† 3038. श्री डी.के. सुरेश:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान देश में अनुसंधान और विकास (आरएण्डडी) के व्यय और गुणवत्ता को प्रोत्साहन देने के लिए किए गए प्रयासों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) उक्त अवधि के दौरान उक्त प्रयोजनार्थ वर्ष-वार कुल कितनी धनराशि आबंटित और व्यय की गई?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) और (ख): सरकार देश में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) के व्यय और गुणवत्ता को बढ़ावा देने हेतु लगातार प्रयास कर रही है, जिसमें उच्चतर आविष्कार योजना (यूएवाई), इम्पैक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (इंप्रिंट), इंपैक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंस (इंप्रेस), भारत की विकासशील भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अंत: विषयक अनुसंधान योजना (स्ट्राइड), अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग संवर्धन योजना (स्पार्क), राष्ट्रीय डिज़ाइन नवाचार पहल (एनआईडीआई), विज्ञान में परिवर्तनकारी और उन्नत अनुसंधान योजना (स्टार्स)जैसी योजनाएं शामिल हैं। विश्वविद्यालयों में अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (आरडीसी) की स्थापना के लिए दिशानिर्देश जारी किया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग संस्थानों में वैज्ञानिक अवसंरचना में सुधार, महिला वैज्ञानिकों के लिए सांस्थानिक सहायता, समुदायों को सशक्त बनाने, तकनीक-आधारित गहन अनुसंधान, कई स्वदेशी स्मार्ट और अल्प लागत वाली तकनीकों के साथ आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाने के लक्ष्य से कई योजनाएं भी चलाता है।यह राज्यों को अपने स्तर पर विशिष्ट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्देश्यों को प्राप्त करने में भी सुविधा प्रदान करता है। ये

कार्यक्रम/योजनाएं विभिन्न क्षेत्रों, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, आदि में चलाई जा रही हैं। इसके अलावा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), आदि जैसी एजेंसियां भी देश में अनुसंधान एवं विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रकाशित अद्यतन उपलब्ध अनुसंधान और विकास आंकड़ों के अनुसार,वर्ष 2015-16 से 2017-18 के दौरान अनुसंधान और विकास पर सकल व्यय (जीईआरडी) के संदर्भ में मापा गया अनुसंधान और विकास पर राष्ट्रीय व्यय क्रमशः 95452.44 करोड़ रुपये, 103099.26 करोड़ रुपये और 113825.03 करोड़ रुपये था। यह वर्ष 2018-19 के लिए 123847.71 करोड़ रु. होने का अनुमान है।

*****